काम चले ना चाँदी से काम चले ना सोने से । By Ashok Shauq ।

काम चले ना चाँदी से,
काम चले ना सोने से,
अब तो काम चले है मेरा,
गुरु के दर्शन होने से।

तेरे दर्शन को थीं अँखियाँ प्यासी,
बिना तेरे दर्शन के रहे उदासी।
काम चले ना हँसने से,
काम चले ना रोने से,
अब तो काम चले है मेरा,
गुरु के दर्शन होने से।

हमने क्या खोया है और क्या पाया,
ध्यान तेरे चरणों से नहीं हटाया।
काम चले ना पाने से,
काम चले ना खोने से,
अब तो काम चले है मेरा,
गुरु के दर्शन होने से।

कोई भी रंग-रास नहीं है भाया,
एक तेरा रंग दाता मुझे है भाया।
काम चले ना जादू से,
काम चले ना टोने से,
अब तो काम चले है मेरा,
गुरु के दर्शन होने से।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%87/